



यूपी भाजपा ने सभी 11 एमएलसी पिलर टूटने के बाद एसए अपार्टमेंट सील

प्रत्याशियों का किया ऐलान आसपास की इमारतों की भी होगी जांच

इनमें 5 ब्राह्मण, 2 ठाकुर, बिना बीजेपी जॉइन कराए ध्रुव त्रिपाठी को गोरखपुर से उतारा

- भाजपा ने विधान परिषद चुनाव 2026 के उम्मीदवार घोषित किए
- स्नातक और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के लिए सूची जारी हुई
- केदार नाथ सिंह, प्रमोद मिश्रा जैसे प्रमुख नाम शामिल

अमृत उजाला संवाददाता

लखनऊ। यूपी में 11 सीटों पर होने वाले विधान परिषद यानी एमएलसी चुनाव के लिए भाजपा ने बचे 6 उम्मीदवारों का ऐलान कर दिया है। इनमें 3 स्नातक और 3 शिक्षक उम्मीदवार हैं। कर्मचारी नेता हरकिशोर तिवारी को आगरा स्नातक सीट से प्रत्याशी बनाया है। फैजाबाद-गोरखपुर शिक्षक सीट से ध्रुव कुमार त्रिपाठी पर दांव लगाया है। ध्रुव अभी भाजपा में शामिल नहीं हुए हैं। वह इसी सीट से शिक्षक दल से एमएलसी हैं। काशी शिक्षक सीट से प्रमोद मिश्रा और स्नातक सीट से केदारनाथ सिंह को उतारा है। मेरठ स्नातक सीट से दिनेश गोयल को टिकट दिया है। भाजपा एमएलसी शिक्षक और स्नातक की 5 सीटों पर पहले ही प्रत्याशियों का ऐलान कर चुकी है। ये सभी मौजूद एमएलसी हैं। इस हिसाब से अब भाजपा ने सभी 11 सीटों पर प्रत्याशी उतार दिए हैं। 11 में से सबसे ज्यादा 5 प्रत्याशी ब्राह्मण समाज से हैं। इसके अलावा 2 ठाकुर, 1 कुर्मी, 1 सिख, 1 तेली और 1 वैश्य को टिकट दिया है। एमएलसी की 11 सीटों पर 23 अक्टूबर को वोटिंग होगी। नतीजे 27 अक्टूबर को आएंगे। इन 11 सीटों में 8 भाजपा और 3 सपा के पास हैं।

पूर्व आईएस ने भाजपा नेताओं पर साधा निशाना, बोलीं- डरने वाली नहीं हूं

अमृत उजाला संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कैडर की पूर्व आईएस अधिकारी दिव्या मित्तल ने प्रशासनिक सेवा से इस्तीफा देने के बाद राजनीति में उतरने का ऐलान किया है। मंगलवार को सोशल मीडिया पर जारी वीडियो संदेश में उन्होंने स्पष्ट किया कि वह उत्तर प्रदेश में ही रहेंगी और यहीं से अपनी राजनीतिक पारी की शुरुआत करेंगी। दिव्या मित्तल ने कहा कि वह किसी राजनीतिक दल के झंडे वाले राजनीति नहीं करेंगी, बल्कि सीधे जनता के साथ मिलकर काम करेंगी। उनका उद्देश्य आम लोगों की समस्याओं को उठाना और उनकी आवाज को मंच देना है। दिव्या मित्तल ने भाजपा नेताओं की ओर से लगाए गए आरोपों पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि



उनके बारे में गलत बातें फैलाकर डराने की कोशिश की गई। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह किसी दबाव में आने वाली नहीं हैं और जनता के सवाल उठाती रहेंगी। पूर्व आईएस ने कहा कि राजनीति में महिलाओं को डराने और सोशल मीडिया पर ट्रोल करने की कोशिशें होती हैं, लेकिन वह इनसे पीछे

किसी राजनीतिक दल में शामिल नहीं होंगी

दिव्या मित्तल ने साफ किया कि उनकी राजनीति किसी एक नेता को बदलने तक सीमित नहीं होगी। वह राजनीति के काम करने के तरीके में बदलाव लाना चाहती हैं। उनके मुताबिक, सड़क, शिक्षा, बेरोजगारी और आम नागरिकों की समस्याओं जैसे मुद्दों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उन्होंने उत्तर प्रदेश को अपनी कर्मभूमि बताते हुए लोगों से साथ आने की अपील की है। फिलहाल उन्होंने किसी राजनीतिक दल में शामिल होने या किसी विधानसभा सीट से चुनाव लड़ने की घोषणा नहीं की है।

हटने वाली नहीं हैं।

खरगे का केंद्र सरकार पर हमला, बोले- वोट के अधिकार की रक्षा के लिए लड़ाई जरूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस कार्यसमिति (CWC) की बैठक में मंगलवार को चुनाव आयोग और मतदाता सूची में संशोधन का मुद्दा प्रमुखता से उठा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने केंद्र सरकार और भाजपा पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि मतदाता सूचियों से लोगों के नाम हटाकर लोकतांत्रिक अधिकारों को प्रभावित किया जा रहा है। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर भी गंभीर आरोप लगाए। खरगे ने कहा कि कांग्रेस के सामने एक बार फिर लोकतंत्र और संविधान की रक्षा करने की चुनौती है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले 12 वर्षों में लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर किया गया है और मतदाताओं के अधिकारों पर असर पड़ा है। कांग्रेस अध्यक्ष ने मुख्य चुनाव आयुक्त पर केंद्र



सरकार के दबाव में काम करने का आरोप लगाते हुए उनके पद पर बने रहने पर सवाल उठाए। उन्होंने मतदाता सूची में संशोधन की प्रक्रिया और फॉर्म-6 के नियमों में कथित बदलावों को लेकर भी आपत्ति

जताई। खरगे का कहना है कि मतदाता सूची में नाम जोड़ने और हटाने की प्रक्रिया पारदर्शी होनी चाहिए तथा किसी भी पात्र नागरिक को मतदान के अधिकार से वंचित नहीं किया जाना चाहिए।

2 सीटों पर त्रिकोणीय मुकाबला, निर्दलीय टक्कर दे रहे

9 सीटों पर भाजपा और सपा में सीधा मुकाबला है। आगरा और गोरखपुर-फैजाबाद शिक्षक सीट पर त्रिकोणीय मुकाबला होगा। यहां निर्दलीय प्रत्याशी भाजपा और सपा को चुनौती देंगे। आगरा सीट मौजूदा एमएलसी आकाश अग्रवाल फिर चुनाव मैदान में हैं। वह भाजपा के हरकिशोर तिवारी और सपा के प्रकाश चंद्र गुप्ता को चुनौती देंगे। गोरखपुर-फैजाबाद सीट पर निर्दलीय अजय सिंह चुनाव लड़ रहे हैं। उनका मुकाबला भाजपा के ध्रुव कुमार त्रिपाठी और सपा के कमलेश यादव से होगा। अजय सिंह 2020 में भी चुनाव लड़े थे और बेहद कम अंतर से हार गए थे। उस चुनाव में सपा तीसरे स्थान पर रही थी।

आगरा शिक्षक सीट पर हरि किशोर तिवारी नए चेहरे हैं। वाराणसी से केदारनाथ सिंह को फिर मौका मिला है। 2020 में वह चुनाव हार गए थे। 2020 में इलाहाबाद-झांसी स्नातक सीट से भाजपा ने यशवत मिश्रा को टिकट दिया था, लेकिन इस बार प्रत्याशी बदलकर अशोक कुमार राठौर को प्रत्याशी बनाया है।

दिए हैं। कांग्रेस भी 5 प्रत्याशियों का ऐलान कर चुकी है।

गोरखपुर-फैजाबाद शिक्षक सीट पर फिर ध्रुव त्रिपाठी पर भाजपा का भरोसा

गोरखपुर-फैजाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव में भाजपा ने एक बार फिर ध्रुव कुमार त्रिपाठी पर भरोसा जताया है। लगातार तीन बार इस सीट से निर्वाचित रहे ध्रुव कुमार त्रिपाठी अब भाजपा के उम्मीदवार के रूप में चुनाव मैदान में उतरेंगे। लंबे समय से उनके भाजपा से समर्थन हासिल करने की चर्चा चल रही थी। हाल के दिनों में भाजपा के भीतर भी उनके नाम को लेकर मंथन चल रहा था।

अमृत उजाला संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में एसए अपार्टमेंट के पिलर टूटने की घटना के बाद लखनऊ विकास प्राधिकरण ने कार्रवाई तेज कर दी है। सुरक्षा के मद्देनजर अपार्टमेंट को सील कर दिया गया है। साथ ही आसपास की इमारतों की भी जांच कराने की तैयारी है, ताकि किसी अन्य भवन में संरचनात्मक कमजोरी या खतरे की आशंका का पता लगाया जा सके।

एसए अपार्टमेंट के 24 फ्लैटों में करीब 150 लोग रहते हैं। स्थानीय निवासी वकील अहमद ने साथी शहाबुद्दीन के साथ मिलकर वर्ष 2010 में बिल्डिंग बनवाई थी। पहले तल पर रहने वाली डीएम कार्यालय में कार्यरत ज्योति के फ्लैट के नीचे का पिलर टूटा है। घटना के समय वह ऑफिस में थीं। घर पर उनके पति थे। दूसरे तल पर मसूद जिलानी और तीसरी मंजिल पर आसिफ



हाशमी परिवार के साथ रहते हैं। अपार्टमेंट में रहने वालों ने बताया कि अचानक तेज कंपन हुआ। इसके बाद जो जिस हालत में था वैसे ही बाहर निकल आया। दरवाजा बंद करने का भी विचार नहीं आया। 25 परिवारों की नकदी, जेवर समेत सारा सामान भीतर कैद है। बिल्डर ने प्रथम तल पर अपना कार्यालय भी बना रखा है। हालांकि, घटना के बाद

झांसी में दर्दनाक हादसा: श्राद्ध के दौरान नदी में डूबे एक ही परिवार के पांच लोग, सभी की मौत

एक को बचाने के लिए नदी में उतरे परिजन भी डूबे, मृतकों में पिता-पुत्र, भतीजे और भांजे शामिल

अमृत उजाला संवाददाता

झांसी। झांसी में श्राद्ध कर्म के दौरान एक दर्दनाक हादसे में एक ही परिवार के पांच लोगों की नदी में डूबने से मौत हो गई। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया। मृतकों में पिता-पुत्र समेत परिवार के अन्य सदस्य शामिल हैं। जानकारी के मुताबिक, परिवार के लोग श्राद्ध कर्म करने के लिए नदी किनारे पहुंचे



थे। इसी दौरान परिवार का एक सदस्य नदी में डूबने लगा। उसे

बचाने के लिए परिवार के अन्य लोग भी नदी में उतर गए, लेकिन वे सभी गहरे पानी में फंस गए और डूबने लगे। इस हादसे में कुल पांच लोगों की जान चली गई। मृतकों में पिता-पुत्र, भतीजे और भांजे शामिल बताए जा रहे हैं। एक ही परिवार के पांच लोगों की असमय मौत से गांव में शोक की लहर दौड़ गई। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

लखनऊ में 68,500 सहायक शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों का प्रदर्शन लखनऊ में राजभर के आवास का घेराव, बोले- राजभर चाचा न्याय करो, पुलिस से धक्का-मुक्की

अमृत उजाला संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ में 68,500 सहायक शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों ने मंगलवार को लगातार दूसरे दिन प्रदर्शन किया। अभ्यर्थियों ने कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर के आवास का घेराव किया। वे उनके घर के बाहर बैठ गए और नारे लगाए- 'राजभर चाचा न्याय करो।' अभ्यर्थियों ने नियुक्ति की मांग को लेकर करीब आधे घंटे तक प्रदर्शन किया। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच धक्का-मुक्की भी हुई। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को वहां से हटाने की कोशिश की। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि पुलिस ने उन्हें जबरन वहां से हटाकर इको गार्डन भेज दिया। उन्होंने पुलिस पर बदसलूकी और कपड़े फाड़ने का भी आरोप



लगाया। प्रदर्शनकारियों ने 'ऐसी क्या मजबूरी है-आरक्षण की चोरी है' और 'पिछड़ा आयोग ने माना है-आरक्षण घोटाला है' जैसे नारे लगाए। प्रदर्शन के दौरान ओम प्रकाश राजभर ने अभ्यर्थियों की बातचीत के लिए बुलाया और उनसे मुलाकात की।

अभ्यर्थी 68,500 सहायक शिक्षक भर्ती में नियुक्ति की मांग कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों के मुताबिक, वर्ष 2018 में 68,500 सहायक शिक्षकों की भर्ती निकाली गई थी। इसमें दिव्यांग, भूतपूर्व सैनिक, अनुसूचित जाति और पिछड़ा वर्ग के

‘मंत्री-अधिकारियों ने घोटाला माना’

प्रदर्शन में शामिल नवीन ने कहा कि 10 सितंबर को अभ्यर्थियों की बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह और माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी से मुलाकात हुई थी। बैठक में दोनों विभागों के कई अधिकारी भी मौजूद थे। बैठक में मंत्रियों और अधिकारियों ने भी माना कि भर्ती में घोटाला हुआ है। उन्होंने कहा कि राज्य पिछड़ा आयोग और राष्ट्रीय पिछड़ा आयोग भी इस मामले को मान चुके हैं। अब सरकार के मंत्री और अधिकारी भी इसे स्वीकार कर रहे हैं। इसके बावजूद अभ्यर्थियों को नौकरी क्यों नहीं दी जा रही है।

‘8 साल से चप्पल घिस रहे हैं’

आशुतोष वर्मा ने कहा कि जब तक भर्ती शेड्यूल जारी नहीं हो जाएगा संघर्ष जाएगा हम पिछले 8 साल से नौकरी के लिए भटक रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि 68,500 सहायक शिक्षक भर्ती में बड़े स्तर पर आरक्षण घोटाला हुआ है। राज्य और राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग ने भी आरक्षण में गड़बड़ी की बात मानते हुए नियमों का पालन करने का आदेश दिया है। आशुतोष ने कहा कि हमारी मांग है कि आयोग के आदेशों का पालन किया जाए। वर्ष 2018 में भर्ती निकली थी, तभी हमने फॉर्म भरा था। इसके बाद से आज तक नौकरी की उम्मीद में 8 साल से सिर्फ चप्पल घिस रहे हैं।

अभ्यर्थियों को 5% की छूट का प्रावधान था।

अपना घर, अपनी पहचान

अपना सपना, अब आपके अपने प्लॉट पर!

कीमत शुरू मात्र **₹1799/-** प्रति वर्ग फुट (कुल)

- ✓ जिला पंचायत लखनऊ द्वारा स्वीकृत
- ✓ गेटेड कम्युनिटी
- ✓ चौड़ी सड़कें
- ✓ बिजली एवं पानी की सुविधा
- ✓ हरियाली से भरपूर वातावरण

ज़मीन खरीदना खर्च नहीं, भविष्य को सुरक्षित करने का सबसे अच्छा तरीका है।

आज निवेश करें, **कल सुरक्षित भविष्य बनाएं!**

9580456295

📍 Laxmi Vihar, 📍 गोसाईगंज, लखनऊ, उत्तर प्रदेश

अमृत उजाला ई-पेपर amritujala.com का डिजिटल प्रकाशन है। प्रधान संपादक-डॉ.अखंड प्रताप सिंह, कार्यकारी संपादक-सुषमा पांडेय, सम्पर्क- editor@amritujala.com- Astera Media Network Private Limited, 328 एक्सपिरियो बिल्डिंग, विभूति खंड, गोमती नगर, लखनऊ - 226010। **डिस्क्लेमर:-** अमृत उजाला ई-पेपर amritujala.com का एक डिजिटल प्रोडक्ट है। इसमें इस्तेमाल सामग्री amritujala.com से ही संकलित की गई है तथा इसका कोई मुद्रित संस्करण प्रकाशित नहीं किया जाता। इस ई-पेपर की सामग्री पाठकों को दिन की महत्वपूर्ण खबरों की जानकारी एक ही जगह देने के उद्देश्य से प्रकाशित की गई है। इसका किसी भी अन्य मकसद से प्रकाशन, प्रसारण, वितरण पूर्णतः प्रतिबंधित है।